THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

QUESTION BANK [GRADE 8] CHAPTER -11

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

1) पहली बोलती फिल्म के फिल्मकार कौन थे?

(क) अर्देशिर एम. ईरानी

(ख) महेश भट्ट

(ग) मेघना गुलज़ार

(घ) सागर सरहदी

2) पहली बोलती फिल्म का नाम क्या था?

(क) शो बोट

(ख) राजा हरिश्चंद्र

(ग) एक मूर्ख था

(घ) आलम आरा

3) हॉलीवुड की कौन सी एक बोलती फिल्म अर्देशिर ने देखी जिसके बाद उनके मन में बोलती फिल्म बनाने की इच्छा जगी?

(क) क्राइम

(ख) एडवेंचर

(ग) शो बोट

(घ) मिस्ट्री

4) इस फिल्म में पहले पार्श्वगायक कौन बने ?

(क) तलत अज़ीज़

(ख) मोहम्मद रफी

(ग) सुरेश वाडेकर

(घ) डब्लू. एम. खान

5) फिल्म आलम आरा में किसकी जैसी फैंटेसी थी?

(क) अरेबियन नाइट्स

(ख) ईरानी नाइट्स

(ग) फ़ारसी नाइट्स

(घ) हिन्दी नाइट्स

6) विट्ठल का मुकदमा किसने लड़ा था?

(क) मोहम्मद अली जिन्ना

(ख) मेहबूब

(ग) जेनाभाई ठक्कर

(घ) राशिद अली

7) फिल्म आलम आरा मुंबई के किस सिनेमा में प्रदर्शित हुई थी?

(क) ओल्ड और गोल्ड सिनेमा

(ख) डेंजर सिनेमा

(ग) मैजेस्टिक सिनेमा

(घ) कार्निवल्स सिनेमा

8) फिल्म आलम आरा कितने सप्ताह तक 'हाउसफुल' चली ?

(क) 7 सप्ताह तक

(ख) 8 सप्ताह तक

(ग) 6 सप्ताह तक

(घ) 9 सप्ताह तक

9) सवाक् फिल्मों में कैसे कलाकारों के जरुरत थी?

(क) पढ़े-लिखे

(ख) अनपढ

(ग) सुन्दर

(घ) अच्छे

10) सवाक्' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) सुनना

(ख) बोलती

(ग) इशारा

(घ) इनमें से कोई नही

शब्दार्थ

a) मुर्दा - _____

b) शिखर - _____

c) इच्छा - _____

d) हिस्सा - _____

e) कृत्रिम - _____

f) खिताब - _____

g) पार्श्वगायक - _____

h) किरदार - _____

i) कद्र - _____

ANSWERS

a) मारा हुआ

b) उन्नति

c) चाह

d) भाग

e) बनावटी

f) उपाधि

g) परदे के पीछे गाने वाला

h) अभिनेता की भूमिका

i) सम्मान , ख्याल

उपसर्ग , प्रत्यय अलग कीजिए।

शब्द		प्रत्यय		प्रत्ययुक्त शब्द
पाठ	+	अक	=	पाठक
चाल	+	अक	=	चालक
भूल	+	अक्कड़	=	भुलक्कड़
कूद	+	अक्कड़	=	कुदक्कड़
पढ़	+	आई	=	पढ़ाई
लिख	+	आई	=	लिखाई
तैर	+	आक	=	तैराक
लड़	+	आकू	=	लड़ाकू
समाज	+	इक	=	सामाजिक
लोक	+	इक	=	लौकिक
हँस	+	ई	=	हँसी
पठन	+	ईय	=	पठनीय
खेल	+	औना	=	खिलौना
मनुष्य	+	ता	=	मनुष्यता
ध्यान	+	पूर्वक	=	ध्यानपूर्वक
रहस्य	+	मय	=	रहस्यमय

THE VILLAGE SCHOOL

शब्द	उपसर्ग		मूलशब्द
विराट	वि	+	राट
असंख्य	अ	+	संख्य
प्रसिद्ध	प्र	+	सिद्ध
समर्पित	सम्	+	अर्पित
आकर्षित	आ	+	कर्षित
उपकरण	उप	+	करण
प्रकाशित	प्र	+	काशित
अत्यंत	अति	+	अंत
परिणाम	परि	+	णाम

शब्द	उपसर्ग		मूल शब्द
उत्पात	उत्	+	पात
सुगम	सु	+	गम
अनियंत्रित	अ	+	नियंत्रित
विरुद्ध	वि	+	रुद्ध
सदाचार	सत्	+	आचार
आचरण	आ	+	चरण
अपवित्र	अ	+	पवित्र

अतिरिक्त प्रश्न

प्रश्न 2. निम्नलिखित सवालों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए|

Question 1:

जब पहली बोलती फिल्म प्रदर्शित हुई तो उसके पोस्टरों पर कौन-से वाक्य छापे गए? उस फिल्म में कितने चेहरे थे? स्पष्ट कीजिए।

देश की पहली बोलती फिल्म के विज्ञापन के लिए छापे गए वाक्य इस प्रकार थे -

"वे सभी सजीव हैं, साँस ले रहे हैं, शत-प्रतिशत बोल रहे हैं, अठहत्तर मुर्दा इनसान जिंदा हो गए, उनको बोलते, बातें करते देखो।"

पाठ के आधार पर 'आलम आरा' में कुल मिलाकर 78 चेहरे थे अर्थात् काम कर रहे थे।

Question 2:

पहला बोलता सिनेमा बनाने के लिए फिल्मकार अर्देशिर एम. ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली? उन्होंने आलम आरा फिल्म के लिए आधार कहाँ से लिया? विचार व्यक्त कीजिए।

फिल्मकार अर्देशिर एम. ईरानी ने 1929 में हॉलीवुड की एक बोलती फिल्म 'शो बोट' देखी और तभी उनके मन में बोलती फिल्म बनाने की इच्छा जगी। इस फ़िल्म का आधार उन्होंने पारसी रंगमंच के एक लोकप्रिय नाटक से लिया।

Question 3:

विट्ठल का चयन आलम आरा फिल्म के नायक के रूप हुआ लेकिन उन्हें हटाया क्यों गया? विट्ठल ने पुन: नायक होने के लिए क्या किया? विचार प्रकट कीजिए।

विट्ठल को फ़िल्म से इसलिए हटाया गया कि उन्हें उर्दू बोलने में परेशानी होती थी। पुन: अपना हक पाने के लिए उन्होंने मुकदमा कर दिया। विट्ठल मुकदमा जीत गए और भारत की पहली बोलती फिल्म के नायक बनें।

Question 4:

पहली सवाक् फिल्म के निर्माता-निदेशक अर्देशिर को जब सम्मानित किया गया तब सम्मानकर्ताओ ने उनके लिए क्या कहा था? अर्देशिर ने क्या कहा? और इस प्रसंग में लेखक ने क्या टिप्पणी की है? लिखिए।

पहली सवाक् फिल्म के निर्माता-निर्देशक अर्देशिर को प्रदर्शन के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर सम्मानित किया गया और उन्हें "भारतीय सवाक् फिल्मों का पिता" कहा गया तो उन्होंने उस मौके पर कहा था, - "मुझे इतना बड़ा खिताब देने की जरूरत नहीं है। मैंने तो देश के लिए अपने हिस्से का जरूरी योगदान दिया है।" इस प्रसंग की चर्चा करते हुए लेखक ने अर्देशिर को विनम्र कहा है।

Question 5:

मूक सिनेमा में संवाद नहीं होते, उसमें दैहिक अभिनय की प्रधानता होती है। पर, जब सिनेमा बोलने लगा, उसमें अनेक परिवर्तन हुए। उन परिवर्तनों को अभिनेता, दर्शक और कुछ तकनीकी दृष्टि से पाठ का आधार लेकर खोजें, साथ ही अपनी कल्पना का भी सहयोग लें।

मूक सिनेमा ने बोलना सीखा तो बहुत सारे परिवर्तन हुए। बोलती फिल्म बनने के कारण अभिनेताओं पढ़ा-लिखा होना ज़रूरी हो गया, क्योंकि अब उन्हें संवाद भी बोलने पड़ते थे। दर्शकों पर भी अभिनेताओं का प्रभाव पड़ने लगा। नायक-नायिका के लोकप्रिय होने से औरतें अभिनेत्रियों की केश सज्जा तथा उनके कपड़ों की नकल करने लगीं। दृश्य और श्रव्य माध्यम के एक ही फ़िल्म में समिश्रित हो जाने से तकनीकी दृष्टि से भी बहुत सारे परिवर्तन हुए।

Question 6:

डब फिल्में किसे कहते हैं? कभी-कभी डब फ़िल्मों में अभिनेता के मुँह खोलने और आवाज़ में अंतर आ जाता है। इसका कारण क्या हो सकता है?

फिल्मों में जब अभिनेताओं को दूसरे की आवाज़ दी जाती है तो उसे डब कहते हैं।

कभी-कभी फिल्मों में आवाज़ तथा अभिनेता के मुँह खोलने में अंतर आ जाता है क्योंकि डब करने वाले और अभिनय करने वाले की बोलने की गति समान नहीं होती या किसी तकनीकी दिक्कत के कारण हो जाता है।